

# СЪДЪРЖАНИЕ

|                                                     |    |
|-----------------------------------------------------|----|
| Венцеслав Константинов                              |    |
| Светът на светлината .....                          | 5  |
| Хартман фон Ауге (ок. 1168–ок. 1210) .....          | 17 |
| Някой ти ме поздравява .....                        | 18 |
| Коя жена изпраща свиден мъж .....                   | 19 |
| Прощален поздрав .....                              | 20 |
| Волфрам фон Ешенбах (ок. 1170–ок. 1220) .....       | 21 |
| Из „Парцифал“ .....                                 | 22 |
| Изгря зората .....                                  | 23 |
| Потайна любов .....                                 | 24 |
| Разцъфват цветята .....                             | 25 |
| Валтер фон дер Фогелвайде (ок. 1170–ок. 1230) ..... | 27 |
| Седях на камък хладен .....                         | 28 |
| Под луната .....                                    | 29 |
| Какво е любов .....                                 | 31 |
| Мига благославям .....                              | 32 |
| Найдхарт фон Роентал (ок. 1180–ок. 1246) .....      | 33 |
| Лято, твоите разкошни дни .....                     | 34 |
| Из планината и в долината .....                     | 35 |
| Майка и дъщеря .....                                | 36 |
| Йоханес Хадлауб (ок. 1280–ок. 1340) .....           | 39 |
| Красивата песен .....                               | 40 |

|                                                              |    |
|--------------------------------------------------------------|----|
| Чиста любов.....                                             | 41 |
| Целува тя дете .....                                         | 42 |
| Ханс Закс (1494–1576) .....                                  | 43 |
| Из „Витенбергският славей, чиято песен ехти<br>навред“ ..... | 44 |
| Какво прави брака щастлив .....                              | 45 |
| Човешкото сърце е мелница .....                              | 46 |
| Безочливият разбойник .....                                  | 49 |
| Свети Петър и козата .....                                   | 50 |
| Дяволът и момчето .....                                      | 54 |
| Андреас Грифиус (1616–1664) .....                            | 55 |
| Съзните на отечеството .....                                 | 56 |
| Из „Гибелта на Фрайцат“ .....                                | 57 |
| Всичко е съета .....                                         | 58 |
| Човешкото злочестие .....                                    | 59 |
| Размисъл за времето .....                                    | 60 |
| На Ойгенуе .....                                             | 61 |
| Албрехт фон Халер (1708–1777) .....                          | 63 |
| Из „Алпите“ .....                                            | 64 |
| Из „Мисли за разума, суеверието и безверието“ .....          | 65 |
| Из „Лъжливостта на човешките добродетели“ .....              | 66 |
| Размисъл след едно събитие .....                             | 67 |
| Из „Траурна ода за смъртта на любимата<br>Мариане“ .....     | 68 |
| Из „Несъвършена поема за Вечността“ .....                    | 69 |
| Фридрих Готлиб Клопшток (1724–1803) .....                    | 71 |
| Гердан от рози .....                                         | 72 |
| Младежът .....                                               | 73 |
| Ранните гробове.....                                         | 74 |
| Лятна нощ .....                                              | 75 |
| Наздравница за мъртвите другари .....                        | 76 |

|                                           |     |
|-------------------------------------------|-----|
| Смъртта .....                             | 77  |
| Моята горичка .....                       | 78  |
| Победителят .....                         | 79  |
| <br>Йохан Волфганг Гьоте (1749–1832)..... | 81  |
| На Анете .....                            | 82  |
| На майка ми.....                          | 83  |
| Орел и гълъб .....                        | 84  |
| Теменужка .....                           | 86  |
| Спасение .....                            | 87  |
| Любовна жажда .....                       | 88  |
| Надежда .....                             | 89  |
| Грижа .....                               | 90  |
| Нощна песен на странника .....            | 91  |
| Моята богиня .....                        | 92  |
| На моите дървета .....                    | 95  |
| Ноемврийска песен .....                   | 96  |
| Из „Римски елегии“ .....                  | 97  |
| Из „Вилхелм Майстер“ .....                | 98  |
| На изгряващия месец .....                 | 99  |
| <br>Фридрих Шилер (1759–1805) .....       | 101 |
| Към Слънцето .....                        | 102 |
| Поезията на живота .....                  | 104 |
| Геният .....                              | 106 |
| На жадуващия да подобри света .....       | 108 |
| Силата на жената .....                    | 109 |
| Съживяващото .....                        | 109 |
| Собственият идеал .....                   | 109 |
| Към поета .....                           | 110 |
| Към Музата .....                          | 110 |
| Астрономически писания .....              | 110 |
| На мистиците .....                        | 111 |
| Ключът .....                              | 111 |

|                                         |     |
|-----------------------------------------|-----|
| Безупречност .....                      | 111 |
| Природен закон .....                    | 112 |
| Моралната сила .....                    | 112 |
| Фридрих Хьолдерлин (1770–1843) .....    | 113 |
| На Диотима .....                        | 114 |
| Към Парките .....                       | 115 |
| Молба за прошка .....                   | 116 |
| Някога и сега .....                     | 117 |
| Одобрението на публиката .....          | 118 |
| Към бога на Слънцето .....              | 119 |
| Сбогуване .....                         | 120 |
| Залязвай, прелестно Слънце... ..        | 121 |
| Боговете .....                          | 122 |
| Житие .....                             | 123 |
| Смелостта на поета .....                | 124 |
| Средина на живота .....                 | 126 |
| Тъй малко познание... ..                | 127 |
| Изгледът .....                          | 128 |
| Смъртта .....                           | 129 |
| Новалис (1772–1801).....                | 131 |
| Милост към бедните .....                | 132 |
| Валс .....                              | 133 |
| Последна любов.....                     | 134 |
| Из „Духовни песни“ .....                | 135 |
| Из „Химни на нощта“ .....               | 137 |
| Из „Песен на мъртвите“ .....            | 139 |
| Из „Хайнрих фон Офтердинген“ .....      | 140 |
| Щом скудни цифри и чертежи... ..        | 141 |
| Клеменс Брентано (1778–1842) .....      | 143 |
| Достоен е, който се чувства човек... .. | 144 |
| На божеството храмът е порумен... ..    | 145 |

|                                     |     |
|-------------------------------------|-----|
| Когато слънцето се скри...          | 146 |
| Вечерна серенада                    | 147 |
| Чуй потока под звездите...          | 148 |
| Врагът                              | 149 |
| Ти                                  | 150 |
| Каквото в тези редове е зряло...    | 151 |
| <br>Аделберт фон Шамисо (1781–1838) | 153 |
| Канон                               | 154 |
| Пролет                              | 155 |
| Песен на нощния пазач               | 156 |
| Ах, това е!                         | 158 |
| Сватбена песен                      | 159 |
| Откакто в миг го зърнах...          | 160 |
| Наесен                              | 161 |
| Зима                                | 162 |
| <br>Лудвиг Уланд (1787–1862)        | 163 |
| Сбогом                              | 164 |
| Серенадата                          | 165 |
| Завръщане                           | 166 |
| Възхвала на Пролетта                | 167 |
| Пролетна вяра                       | 168 |
| Проклятието на певеца               | 169 |
| В един споменик                     | 172 |
| Вечерни облаци                      | 173 |
| <br>Йозеф фон Айхендорф (1788–1857) | 175 |
| Моята градина                       | 176 |
| Вечер                               | 177 |
| Тъга по родината                    | 178 |
| Пролетен поздрав                    | 179 |
| Вълшебна пръчица                    | 180 |
| Лунна нощ                           | 181 |

|                                          |     |
|------------------------------------------|-----|
| Синьото цвете .....                      | 182 |
| Участта на поета .....                   | 183 |
| Есенна скръб .....                       | 184 |
| Хайнрих Хайне (1797–1856) .....          | 185 |
| Из „ЛИРИЧЕСКО ИНТЕРМЕЦО“                 |     |
| През прелестния месец май... ..          | 186 |
| От сълзите ми никнат... ..               | 187 |
| На север смърч самотен... ..             | 188 |
| Из „ЗАВРЪЩАНЕ В РОДИНАТА“                |     |
| Лорелай .....                            | 189 |
| Накрая на хоризонта... ..                | 190 |
| Годините бързо минават... ..             | 191 |
| Те двамата влюбени бяха... ..            | 192 |
| Когато пред вас любовта си признах... .. | 193 |
| Ах, ти си като цвете... ..               | 194 |
| Нека снежна буря вие... ..               | 195 |
| Който люби първи път... ..               | 196 |
| Вярно ли е, че ме мразиш... ..           | 197 |
| Смъртта, това е хладна нощ... ..         | 198 |
| „Где е нежната любима... ..              | 199 |
| Из „СЕВЕРНО МОРЕ“                        |     |
| Вечерен зрач .....                       | 200 |
| Николаус Ленау (1802–1850) .....         | 201 |
| Из „Песни на тръстиките“ .....           | 202 |
| Небесна печал .....                      | 203 |
| Есенно чувство .....                     | 204 |
| Отглас .....                             | 205 |
| На моята китара .....                    | 206 |
| Празник на любовта .....                 | 208 |
| На едно красиво момиче .....             | 209 |
| Мефистофел .....                         | 210 |
| Бюстът на Бетховен .....                 | 211 |
| Край гроба .....                         | 214 |

|                                          |     |
|------------------------------------------|-----|
| Едуард Мъорике (1804–1875) .....         | 215 |
| На един пианист .....                    | 216 |
| Сбогом .....                             | 217 |
| При гроба на Шилеровата майка .....      | 218 |
| Идеалната истина .....                   | 219 |
| Песен на ловеца .....                    | 220 |
| Незаконна стока .....                    | 221 |
| Лесна плячка .....                       | 222 |
| Нощем пред писалището .....              | 223 |
| На една духовна жена .....               | 224 |
| На една лампа .....                      | 225 |
| О, помисли, душа! .....                  | 226 |
| Детлев фон Лиленкрон (1844–1909) .....   | 227 |
| Копнеж .....                             | 228 |
| Щастлив съм пак .....                    | 229 |
| Смълвени стихове след безсънна нощ ..... | 230 |
| Вечно .....                              | 232 |
| Мартенски ден .....                      | 233 |
| По телефона .....                        | 234 |
| След лов на яребици .....                | 235 |
| В големия град .....                     | 236 |
| Рихард Демел (1863–1920) .....           | 237 |
| Нощ .....                                | 238 |
| На брега .....                           | 239 |
| Гласът на вечерта .....                  | 240 |
| Прибежище .....                          | 241 |
| Тихият град .....                        | 242 |
| Под младата круша .....                  | 243 |
| На кръстопът .....                       | 244 |
| Благопожелание .....                     | 245 |
| След дъжда .....                         | 246 |
| Глас в мрака .....                       | 247 |

|                                           |     |
|-------------------------------------------|-----|
| Арно Холц (1863–1929) .....               | 249 |
| Ни щастие, ни звезда! .....               | 250 |
| Море от озарени сгради .....              | 251 |
| Далеч една страна! .....                  | 252 |
| Птича песен .....                         | 253 |
| Лунен изгрев .....                        | 254 |
| Сбъдновение .....                         | 255 |
| Дълбока майска нощ .....                  | 256 |
| Трудна раздяла .....                      | 257 |
| Отзвук .....                              | 258 |
| От колко време .....                      | 259 |
| <br>Стефан Георге (1868–1933).....        | 261 |
| Из „След беритбата“ .....                 | 262 |
| Цветя .....                               | 263 |
| Мъртвият град .....                       | 264 |
| Ницше .....                               | 266 |
| Хиперион .....                            | 268 |
| <br>Кристиан Моргенщерн (1871–1914) ..... | 269 |
| Къде си... ..                             | 270 |
| Раздяла .....                             | 271 |
| Подобно на потънала мелодия... ..         | 273 |
| Нощ е... ..                               | 274 |
| Фуниите .....                             | 275 |
| Нощна песен на рибата .....               | 276 |
| Естетическата невестулка .....            | 277 |
| Великото Лалула .....                     | 278 |
| Палмстрьом .....                          | 279 |
| Невъзможният факт .....                   | 280 |
| <br>Хуго фон Хофманстал (1874–1929) ..... | 281 |
| Безкрайно време .....                     | 282 |
| Преживяване .....                         | 283 |

|                                           |     |
|-------------------------------------------|-----|
| Терцини за тленността .....               | 285 |
| Терцини III .....                         | 286 |
| Двамата .....                             | 287 |
| Някои действително... ..                  | 288 |
| Момъкът в полето .....                    | 289 |
| Нагнус .....                              | 290 |
| Песен на грумника .....                   | 291 |
| <br>Райнер Мария Рилке (1875–1926) .....  | 293 |
| Любовна песен .....                       | 294 |
| Слизането на Христос в ада .....          | 295 |
| Великата нощ .....                        | 297 |
| На Хьолдерлин .....                       | 299 |
| Запокитен върху зъберите на сърцето ..... | 301 |
| На музиката .....                         | 302 |
| Див розов храст .....                     | 303 |
| Роза, о, чисто противоречие, радост... .. | 304 |
| <br>Ернст Щадлер (1883–1914) .....        | 305 |
| Здрачът .....                             | 306 |
| Тъмно странстване .....                   | 308 |
| Послание .....                            | 309 |
| През тези нощи .....                      | 310 |
| Тежка вечер .....                         | 311 |
| Розите в градината .....                  | 312 |
| La Querida .....                          | 313 |
| <br>Хуго Бал (1886–1927) .....            | 315 |
| Мъртвешки танц 1916 .....                 | 316 |
| Скица .....                               | 318 |
| Сънят .....                               | 319 |
| О, Мариета-Крипистика! .....              | 320 |

|                                     |         |
|-------------------------------------|---------|
| Георг Хайм (1887–1912) .....        | 321     |
| Гърбавият .....                     | 322     |
| Вечерта .....                       | 323     |
| Мечтание в светлосиньо .....        | 324     |
| Остроглав пристига той... ..        | 325     |
| Душата ми .....                     | 326     |
| Твоите мигли, дългите... ..         | 327     |
| О, дълга, дълга вечер .....         | 329     |
| Последно бдене .....                | 330     |
| <br>Георг Тракл (1887–1914) .....   | <br>331 |
| На Новалис .....                    | 332     |
| Привечер сърцето ми .....           | 333     |
| Вечерна песен .....                 | 334     |
| Детство .....                       | 335     |
| Соня .....                          | 336     |
| Покой и мълчание .....              | 337     |
| Слънцето .....                      | 338     |
| Лято .....                          | 339     |
| Гродек .....                        | 340     |
| <br>Курт Тухолски (1890–1935) ..... | <br>341 |
| В партера .....                     | 342     |
| Запролетияване .....                | 343     |
| Пролетта дойде! .....               | 344     |
| Жените на приятелите .....          | 345     |
| Цял свят търси .....                | 346     |
| Идеалът .....                       | 348     |
| Любовна двойка на прозореца .....   | 350     |
| Можът пред огледалото .....         | 352     |
| Усмивката на Мона Луза .....        | 357     |
| Тези здания .....                   | 358     |
| Край! .....                         | 361     |
| Другият мъж .....                   | 362     |

|                                           |     |
|-------------------------------------------|-----|
| Винаги .....                              | 364 |
| Тя, към него .....                        | 365 |
| Ерих Кестнер (1899–1974) .....            | 367 |
| Нощна песен на камерния виртуоз .....     | 368 |
| Една госпожица горчиво се оплаква .....   | 369 |
| Действителен романс .....                 | 371 |
| Една майка си прави равносметка .....     | 372 |
| Малка математическа задача .....          | 374 |
| Балада за недоверието .....               | 375 |
| Малък град в неделна утрин .....          | 377 |
| Млада дама пред магазина за ковчези ..... | 378 |
| Полезната заблуда .....                   | 379 |
| Камбаните бият .....                      | 380 |